

राज्यपाल ने किया एडीसी मैनुअल का विमोचन
एडीसी की कार्यपद्धति से राजभवन की प्रतिमा बनती है - राज्यपाल

लखनऊ 20 दिसम्बर, 2017

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज राजभवन में आयोजित एक 'इन हाउस' कार्यक्रम में परिसहाय (एडीसी) के कर्तव्यों एवं दायित्वों पर आधारित मैनुअल 'कंपेडियम ऑफ इंस्ट्रक्शन फॉर ए०डी० कैम्प टू गवर्नर, उत्तर प्रदेश' का विमोचन किया। यह मैनुअल पूर्व एडीसी श्री गौरव सिंह एवं मेजर शरत नाबियार द्वारा संकलित किया गया है जिसमें वर्तमान एडीसी स्क्वाडलीडर प्रवीण भौरिया एवं डॉ० अभिषेक महाजन ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। राजभवन उत्तर प्रदेश में 'कंपेडियम ऑफ इंस्ट्रक्शन फॉर ए०डी० कैम्प टू गवर्नर, उत्तर प्रदेश' के प्रकाशन से पूर्व एडीसी के कर्तव्य एवं दायित्व से संबंधित कोई सुव्यवस्थित संकलन लिखित रूप में उपलब्ध नहीं था। मैनुअल का प्राक्कथन राज्यपाल द्वारा लिखा गया है।

कार्यक्रम में प्रमुख सचिव सुश्री जूथिका पाटणकर, सचिव श्री चन्द्र प्रकाश, विधि परामर्शी श्री एस०एस० उपाध्याय, विशेष सचिव श्रीमती नेहा पाण्डेय सहित राजभवन के समस्त अधिकारी, कर्मचारी एवं सुरक्षाकर्मी उपस्थित थे। इस अवसर पर राज्यपाल के साथ पूर्व में एडीसी की भूमिका में कार्य करने वाले श्री गौरव सिंह, मेजर शरत नाबियार, श्री स्वपनिल ममगई पुलिस अधीक्षक मथुरा, श्री गोपेन्द्र प्रताप पुलिस अधीक्षक चित्रकूट, श्री आकाश तोमर पुलिस अधीक्षक (नगर) गाजियाबाद, श्री विनीत जायसवाल अपर पुलिस अधीक्षक इलाहाबाद को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था।

राज्यपाल ने विमोचन के पश्चात् अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राजभवन में एडीसी की प्रमुख भूमिका होती है जो राजभवन की गरिमा को बढ़ाने का काम करते हैं। एडीसी की अलग पहचान और रूआब होता है। प्रदेश में राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री व अन्य महानुभावों के आगमन पर जिला प्रशासन से समन्वय स्थापित करने के साथ-साथ कार्यक्रम को सफल बनाने में एडीसी का महत्वपूर्ण योगदान होता है। राज्यपाल की शपथ ग्रहण समारोह, विदाई समारोह, मुख्यमंत्री व मंत्रिमण्डल के शपथ ग्रहण समारोह सहित अन्य समारोहों में एडीसी का प्रमुख दायित्व होता है। उन्होंने कहा कि एडीसी की कार्यपद्धति से राजभवन की प्रतिमा बनती है।

श्री नाईक ने कहा कि एडीसी मैनुअल एक तरह से डाक्यूमेंटेशन है, भविष्य में राजभवन आने वाले अधिकारियों को इसके माध्यम से यहाँ की कार्यपद्धति को समझने में आसानी होगी। एडीसी के दायित्वों के बारे में अधिकृत जानकारी का कोई संकलन अथवा पुस्तक न होना आश्चर्य की बात है। उन्होंने राजभवन के समस्त लोगों से सज़ाव मांगते हुए कहा है कि उनके उपयुक्त सज़ावों को समाविष्ट करके यह संकलन राष्ट्रपति व अन्य राजभवनों को भी भेजा जायेगा। उन्होंने कहा कि मैनुअल निश्चित रूप से समय-समय पर एडीसी के कार्यों के निर्वहन में उपयोगी सिद्ध होगा।

राज्यपाल ने चुटकी लेते हुए कहा कि आम तौर से परिसहाय राज्यपाल के पीछे खड़े होते हैं और कभी-कभी उनका छायाचित्र भी समाचार पत्रों में आ जाता है। आमतौर से वे बोलते नहीं हैं। आज राजभवन में परिसहायों को अपने विचार व्यक्त करते हुए भी सुना। उन्होंने कहा कि राजभवन में लिखने की प्रगति देखने को मिलती है। यहाँ आकर उन्होंने भी पुस्तकें 'चरैवेति! चरैवेति!!' लिखी हैं जो अब तक पांच भाषाओं में प्रकाशित हो चुकी हैं। विधि परामर्शी द्वारा भी दो पुस्तकें लिखी गईं तथा प्रतिवर्ष धन्वन्तरि जयंती पर 'शतायु की ओर' पत्रकों का प्रकाशन होता है। उन्होंने कहा कि राजभवन में कवि, नाटककार व अन्य कलाओं में पारंगत लोग भी हैं।

प्रमुख सचिव श्री राज्यपाल सुश्री जूथिका पाटणकर ने एडीसी मैनुअल के संकलन की बधाई देते हुए कहा कि एडीसी मैनुअल जिंदा किताब है जिसमें आगे भी नये अध्याय जुड़ते रहेंगे। दिशा-निर्देश के लिए यह एक अच्छा संग्रह साबित होगा। अच्छे प्रकल्पों में राजभवन ने सदैव अग्रणी भूमिका निभाई है। राजभवन में न्याय, चिकित्सा, सुरक्षा, निर्माण एवं विद्युत, उद्यान, पत्रकारिता से जुड़े सभी तरह के विभाग हैं, जिससे राजभवन की जिन्दगी के हर पहलू का प्रतिनिधित्व होता है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल की कार्यशैली से राजभवन में काम करने वालों को प्रेरणा मिलती है। मैनुअल की रूपरेखा तैयार करने वाले पूर्व एडीसी मेजर शरत नाबियार ने कहा कि मैनुअल का लोकार्पण उनके लिए विशेष महत्व रखता है। इसकी प्रेरणा उन्हें पूर्व प्रमुख सचिव श्री राज्यपाल श्री राजीव कपूर से मिली थी। उन्होंने कहा कि इस मैनुअल में आने वाले वर्षों में आवश्यकतानुसार संशोधन होते रहेंगे।

मैनुअल के संकलनकर्ता पूर्व एडीसी श्री गौरव सिंह ने कहा कि प्रक्रिया को सुधारने और लिपिबद्ध करने की प्रेरणा राज्यपाल द्वारा मिली है। यह संग्रह उसी मार्गदर्शन का एक भाग है। उन्होंने कहा कि मैनुअल द्वारा राजभवन की परम्पराओं को नई ऊंचाईयों तक ले जाने में सहायता मिलेगी।

एडीसी, स्क्वाड्रन लीडर प्रवीण भौरिया ने कहा कि वे वायु सेना में पेशे से इंजीनियर हैं। उन्होंने अनेक भूमिकाओं में फील्ड में काम किया है परन्तु शासकीय कार्य का अनुभव नहीं था। राजभवन आने के बाद पूर्व परिसहायों से बहुत कुछ सीखने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि यह मैनुअल परम्परागत तरीके से दायित्वों के निर्वहन में मार्गदर्शक का काम करेगा।

एडीसी, डा०० अभिषेक महाजन ने कहा कि यह संकलन भविष्य में आने वाले अधिकारियों के लिए उपयोगी होगा। उन्होंने कहा कि मैनुअल के माध्यम से एडीसी के दायित्वों की सारी जानकारी एक जगह पर मिल जायेगी। इस अवसर पर सचिव श्री राज्यपाल ने स्वागत उद्बोधन दिया तथा धन्यवाद ज्ञापन विशेष सचिव श्रीमती नेहा पाण्डेय द्वारा दिया गया। कार्यक्रम का संचालन अपर विधि परामर्शी श्री कामेश शुकल द्वारा किया गया। राजभवन में तैनात उपनिरीक्षक श्री कुलदीप सिंह ने एडीसी मैनुअल पर लिखित कविता का पाठ भी किया।

अंजुम/ललित/राजभवन (476/35)

